



**पुर्णिमा International School**

**Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal**

***Class –III***

***HINDI***

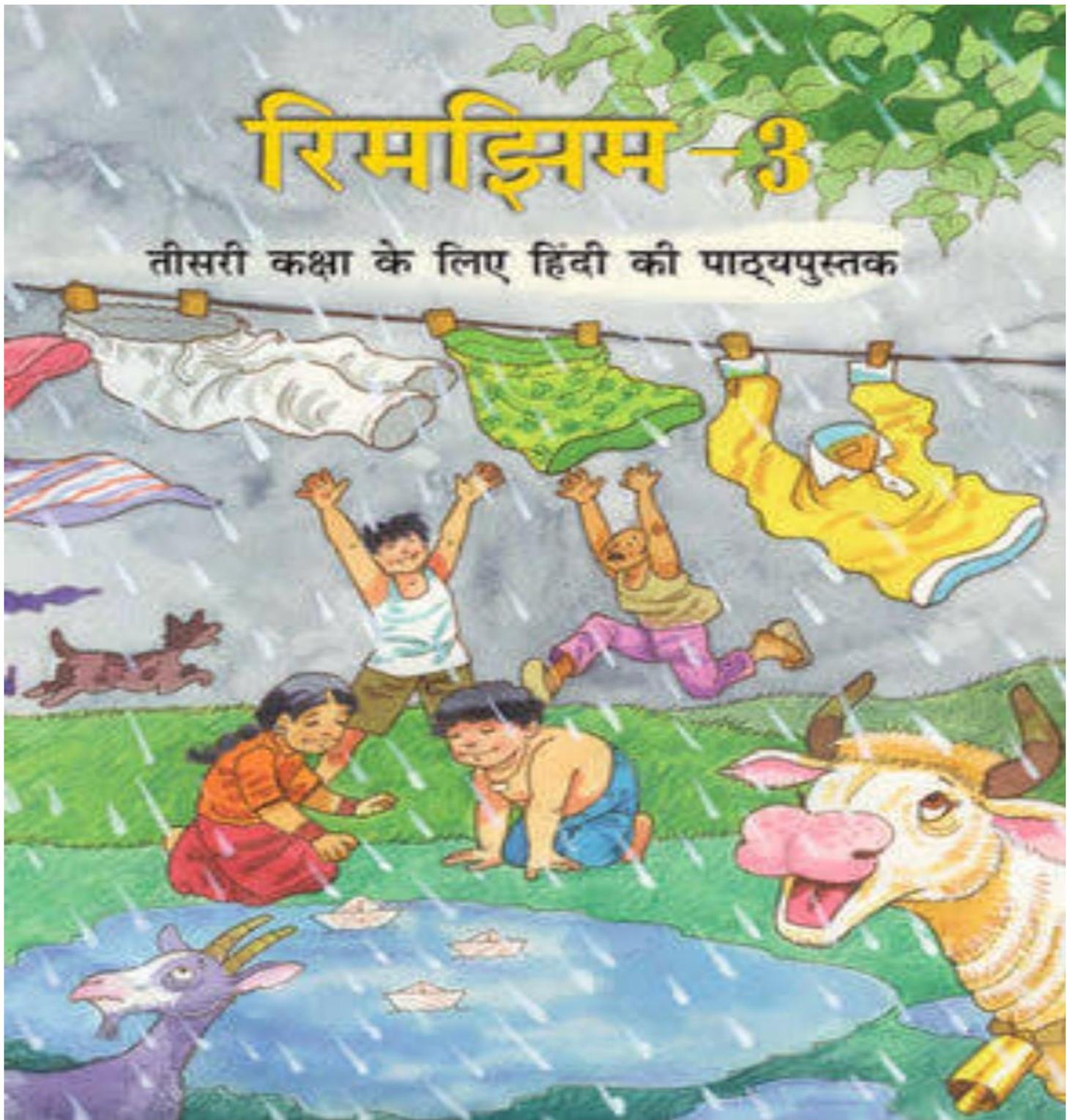
***Specimen Copy***

***April -May***

***2022-23***

# रिमाझिम - 3

तीसरी कक्षा के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक



## पाठ-सूची

क्रम	माह	पाठ का नाम	लेखक का नाम	ऐक्टिविटी
01	अप्रैल	पाठ - 1 - कक्कू  पाठ - 2 - शेखीबाज मक्खी	रमेशचंद्र शाह  योगेश जोशी	पक्षियों के नाम लिखो  मक्खी के बारे में 5 वाक्य लिखो

## पाठ - 1

कक्कू

लेखक :रमेशचंद शाह

कविता : नाम है उसका -----उसका कक्कू ।(लेखक के नाम के साथ)

भावार्थ : इस कविता मे कवि एक बच्चे के बारे मे बता रहे है क्यों कि वह बच्चा कोयल की तरह है एक दम मासुम । वह दिन भर रोता रहता है,इसलिए लोग उसे चिढ़ाते हैं ।

उसकी बोली कोयल की तरह मिठी है, वह तो थोड़ी देर मे भड़क जाता है या तो थोड़ी देर मे मजाक उड़ाने लगता है इसलिए लोग उसका नाम बदल देते है ।

जो हर बात मे गाना गाता है हर बात मे मुँह फुला लेता है उसको गाना भी गाना नही आता, वह बहुत झगड़ालु भी है,इसलिए हर बार सब उसका नाम बदल देते हैं ।

### १ :कठिन शब्द-

१ : कक्कू	२ : चिढ़	३ : झगड़ाल
४ : फुलाए	५ : भड़क	६ : कोयल
७ : मिसरी	८ ज्यों-ज्यो	



### २ : शब्दार्थ-

- १: कक्कू - एक पक्षी का नाम
- २: चिढ़ाना- किसी की बात पर रूठ जाना
- ३: भड़क - गुस्सा करना
- ४: झगड़ालु - झगडा करने वाला
- ५: ठिठोली - मजाक उडाना
- ६: तनिक - थोडा सा
- ७: मिसरी- शक्कर की गोली
- ८: दिनभर- पूरा दिन
- ९: बात-बात- हरेक बात

१०: मुँह फूलाना- गुस्सा होना।

### ३ : बहुवेकल्पिक प्रश्नउत्तर

- १-कक्कू दिन भर क्या करता रहता है?  
अ-रोता ह                      ब-सोता है                      क-खाता है
- २-कोयल की बोली कैसी है?  
अ-कडवी                      ब-मीठी                      क-भददी
- ३-कक्कू को लोग क्या कहते थे?  
अ-गप्पू, टक्कू, कक्की      ब-अक्कू, इक्कू, मक्कू      क-सक्कू, भक्कू, झक्कू

### ४ : अतिलघु- प्रश्न-

- १: कक्कू दिनभर क्या करता है ?  
उत्तर : कक्कू दिनभर सोता है ।
- २ : कोयल की बोली कैसी होती है ?  
उत्तर : कोयल की बोली मीठी है ।
- ३ कक्कू से ठिठोली करने पर वह क्या करता है ?  
उत्तर : कक्कू से ठिठोली करने पर वह भड़कता है ।
- ४ कक्कू को लोग किस - किस नाम से पुकारते हैं ?  
उत्तर : कक्कू को लोग सक्कू, भक्कू और झक्कू के नाम से पुकारते हैं।

### ५ : लघु- प्रश्न -

- १ कक्कू का अर्थ है ?  
उत्तर : कक्कू का अर्थ कोयल है ।
- २ सभी कक्कू को चिढ़ाते है ?  
उत्तर : क्यों कि वह दिन भर रोता रहता है ।
- ३ कक्कू को कभी-कभी भक्कू कहकर क्यों पुकारा जाता है ?  
उत्तर : क्यों कि कभी- कभी वह भड़कता है इसलिए उसे भक्कू पुकारा जाता है ।
- ४ कक्कू और कोयल के स्वभाव में क्या - क्या अंतर हैं ?  
उत्तर : कक्कू स्वभाव से झगड़ालु है और कोयल स्वभाव से शांत है ।
- ५ कक्कू को झक्कू कहना क्यों उचित है ?  
उत्तर : क्यों कि वह झगड़ालु है इसलिए झक्कू कहना उचित है ।

## ६ : दीर्घ प्रश्न उत्तर -

१ : कक्कू को झगडालू क्यों कहाँ जाता है ?

उत्तर : कक्कू बात - बात में चिड़ जाता है और हर बात में मुँह फुला लेता है।  
इसलिए उसे झगडालू कहा जाता है ।

\*पाठ्य पुस्तक का स्वाध्यय:-

अ-विधान सही है या गलत -लगाओ-

1-कक्कू बात-बात पर चिड़ जाता है।

सही

2-कक्कू अच्छा गाता है।

गलत

3-कक्कू झगडालू लडका है।

सही

4-कक्कू को सभी नक्कू भी कहते हैं।

गलत

## - प्रवृत्ति

पक्षियों के नाम लिखो - कोई पाँच

## ७ : लेखन विभाग - मेरा प्रिय पक्षी तोता

- मेरा प्रिय पक्षी तोता है।
- तोता एक बहुत सुंदर पक्षी है।
- इसके पंख हरे रंग के होते हैं।
- इसकी लाल रंग की चोंच होती है।
- इसकी चोंच मुड़ी हुई होती है।
- तोते की गर्दन पर काले रंग के वृत्त होते हैं।
- तोता लाल मिर्च खाना पसंद करता है।
- तोता मनुष्य की तरह बोल सकता है।
- तोता एक शाकाहारी पक्षी है।
- तोता गाँव , शहर , जंगल और खेतों में पाया जाता है।



SHARTEYODUCK.COM • 1028871869

पाठ - २ शेखीबाज मक्खी  
लेखक :योगेश जोशी

१ :कठिन शब्द-

१ जंगल	२ मक्खी	३ मुश्किल	४ गुस्सा	५ भाषा
६ बबूला	७ सँड	८ मुस्कुराने	९ मकड़ी	१० ज्यों-ज्यो

२ : शब्दार्थ-

- १: जंगल- वन
- २: मुश्किल - कठिन
- ३: गुस्सा- क्रोध
- ४: आग बबूला होना - अत्यधिक गुस्सा होना
- ५: जवाब - उत्तर
- ६: हिम्मत - हौंसला
- ७: विशालकाय - बहुत बड़ा
- ८: ऊब जाना - मन भर जाना
- ९: प्रणाम -नमस्कार
- १०: कोशिश - प्रयत्न
- ११: पंजा -चगुल ,नखुन
- १२: बहस -झगड़ा ,वाद-विवाद



### ३ : बहुवेकल्पिक प्रश्नउत्तर

१-जंगल में कौन आराम कर रहा था?

अ-शेर

ब-लोमड़ी

क-हाथी

२-हाथी ने किसको प्रणाम किया?

अ-शेर को

ब-मक्खी को

क-लोमड़ी को

३-मक्खी को देखकर लोमड़ी ने क्या किया?

अ-दौड़ने लगी

ब-चिल्लाने लगी

क-मुस्कुराने लगी

४-जाला किसने बनाया?

अ-मकड़ी ने

ब-मक्खी ने

क-लोमड़ी ने

### ४:अतिलघु प्रश्न-उत्तर-

१ जंगल में कौन आराम कर रहा था ?

उत्तर : जंगल में शेर आराम कर रहा था

२ हाथी ने किसको प्रणाम किया ?

उत्तर : हाथी ने मक्खी को प्रणाम किया

३ मक्खी को देखकर लोमड़ी ने क्या किया ?

उत्तर : मक्खी को देखकर लोमड़ी मुस्कुराने लगी

४ जाला किसने बनाया था ?

उत्तर: जाला मकड़ी ने बनाया था ।

५ मक्खी को जाल में किसने फँसाया ?

उत्तर : मक्खी को जाल में लोमड़ी ने फँसाया ।



## ५:लघु प्रश्न-उत्तर-

१: शेर को गुस्सा क्यों आया ?

उत्तर :शेर को गुस्सा आया क्यों कि मक्खी शेर के कान के पास भिन-भिन कर रही थी ।

२: मक्खी ने किसे और किस प्रकार ललकारा?

उत्तर: मक्खी ने शेर और हाथी को गुस्से से ललकारा।

३: शेर मक्खी को क्यों न मार सका?

उत्तर: क्योंकि मक्खी कभी कान पर ,कभी गाल पर ,कभी नाक पर, कभी गर्दन पर बैठकर उड़ जाती थी।

४: शेर ने ऊबकर मक्खी से क्या कहा?

उत्तर : शेर ने ऊबकर मक्खी से कहा मक्खी बहन अब मुझे छोड़ दो मैं हारा और तुम जीती ।

## ६ :दीर्घ प्रश्न उत्तर-

१ शेर ने मक्खी पर पंजा क्यों उठाया?

उत्तर: शेर को बेहुत मुशकिल से नींद आई थी तभी एक मक्खी आकर उसके कान के पास भिन-भिन करने लगी तब शेर कि नींद खुल गयी इसी वजह से शेर को गुस्सा आया तब शेर ने पंजा उठाया ।

२ शेर क्यों ऊब गया ?

उत्तर:शेर ऊब गया क्योंकि मक्खी कभी शेर के कान पर ,कभी गाल पर ,कभी नाक पर, कभी गर्दन पर बैठकर उड़ जाती थी,शेर पंजा मारता रहा और खुद को घायल करता जाता मक्खी फट से उड़ जाती इस वजह से शेर ऊब गया ।

३ :लोमड़ी ने मक्खी का घमंड कैसे चुर किया ?

उत्तर :लोमड़ी ने मक्खी से कहा कि मक्खी रानी तुम तो धन्य हो,आपका जीवन धन्य है, आपके माता-पिता धन्य है,लेकिन वह मक्खी आप को गाली दे रही है,जरा उसकी खबर लो,और उसको जाल मे फँसा दिया ।

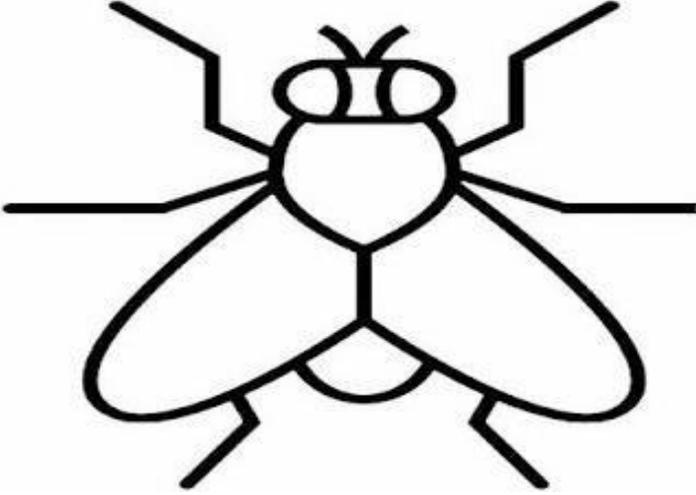
\*-1-पाठ्य पुस्तक का स्वाध्यय-

- सही जोड़ी मिलान करिये -

अ	ब
राजा	वन २
जंगल	नृप १
गुस्सा	अहंकार ५
नाक	क्रोध ३
घमंड	नासिका ४

- प्रवृति

मकखी के बारे मे पाँच वाक्य लिखो



७ : लेखन विभाग

पत्र लेखन : नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर मित्र को बधाई-पत्र लिखिए ।

36 बी करोल बाग,  
नई दिल्ली.

13 जनवरी , 20

प्रिय राजन,

सस्नेह नमस्ते,

आज सुबह अखबार पढ़कर बड़ी खुशी हुई। राज्य स्तर पर आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में तुम्हारे प्रथम आने की सूचना पढ़ते ही मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हुई। तुम्हारी मेहनत और लगन को देखकर मुझे पहले से विश्वास था कि नृत्य में तुम्हें कोई टक्कर नहीं दे सकता है। इस महान उपलब्धि के पीछे गुरुजी का योगदान सर्वोपरि है।

आशा करता हूँ कि आगे भी तुम जीवन के हर क्षेत्र में इसी प्रकार सफल होते जाओगे।

तुम्हारा मित्र

विमल

